सांध्य दैनिक 4PM

हर बच्चा इसी सन्देश के साथ आता है कि भगवान अभी तक मनुष्यों से हतोत्साहित नहीं हुआ है।
-रविन्द्रनाथ टैगोर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 115 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 29 मई, 2025

फाइनल से एक कदम दूर पंजाब... 7 | यूपी की सियासत में फिर मंदिर... 3 | भाजपा एक नाकामयाब सरकार... 2

पीएम मोदी के बिहार-पश्चिम बंगाल दौरे पर विपक्ष का प्रहार

दीदी बोलीं- पहले बिहार बचाईये फिर बंगाल आइये

» तेजस्वी बोले- विशेष पैकेज वैसे ही प्रकट होता है जैसे गर्मी में आम

» खराब मौसम के चलते पीएम मोदी का सिक्किम दौरा निरस्त

» बिहार मांगे विशेष राज्य का दर्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से अगले 2 दिन तक 4 राज्यों के दौरे पर रहने वाले थे लेकिन सिक्किम का दौरा खराब मौसम की वजह से रद्द हो गया। अब प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। सिक्किम के कार्यक्रम में उन्होंने अपनी उपस्थिति वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दर्ज कराई। अपनी इस यात्रा के दौरान वह कई विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। यात्रा की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन बिहार के लोगों के लिए बेहद खास रहने वाला है

बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले पीएम मोदी के दौरे का खास मायने हैं। लेकिन बिहार में नीतिश सरकार की एंटी एनकैंपेसी और पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी की ललकार को तोड़ अभी तक नही निकला है। बिहार दौरे से पहले ही पीएम मोदी के सामने बिहार के विशेष राज्य के पैकेज वाला जिन्न बाहर निकल चुका है और उनके दौरे का माहौल नहीं बनने दे रहा। बिहार ने चुनाव से पहले हमेशा पीएम नरेंद्र मोदी के हर वायदे पर भरोसा जताया और चुनावो में जीत इस उम्मीद के साथ दिलाई कि वह विशेष राज्य का दर्जा वाला वायदा पूरा करेंगे । वह बुलेट ट्रेन नहीं तो कम से कम फास्ट ट्रेन को ही चलवा देंगे। उद्योगों की बुनियाद पर बिहार का भाग्य संवरेगा लेकिन आज जब पीएम मोदी पटना की धरती पर उतरे तो लोगों की आंखों में स्वागत से ज्यादा सवाल थे क्या हुआ तेरा वादा?

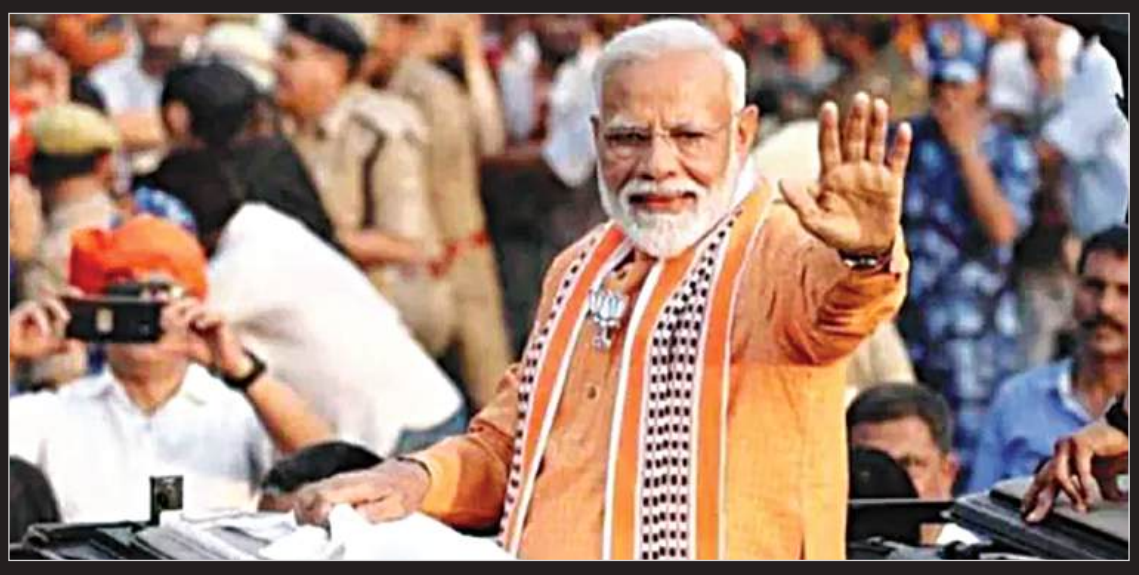

बोहनी खराब, वीसी के जरिये रखी बात

पीएम मोदी को सिक्किम भी जाना था लेकिन खराब मौसम के चलते उनका दौरा निरस्त हो गया और वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कार्यक्रमों में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम के राज्य बनने की 50वीं वर्षगांठ के समारोह को वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए संबोधित किया। उन्होंने एक्ट ईस्ट नीति और एक्ट फास्ट दृष्टिकोण के जरिए पूरे देश के संतुलित विकास के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम मोदी ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि 50 साल पहले सिक्किम ने अपने लिए एक लोकतांत्रिक भविष्य चुना। अपनी खास भौगोलिक स्थिति के साथ-साथ, सिक्किम के लोगों ने भारतीय भावना को अपनाया। उनका विश्वास था कि जब हर आवाज़ सुनी जाएगी और हर अधिकार की रक्षा होगी, तो सभी को विकास के समान मौके मिलेंगे। आज मैं कह सकता हूं कि सिक्किम के हर परिवार का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है और देश ने सिक्किम की प्रगति के अच्छे नतीजे देखे हैं।

आपातकाल के 50 साल होने पर विशेष सत्र की तैयारी जबकि 11 साल से है घोषित आपातकाल : जयराम

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश में है। मुख्य विपक्षी दल के दावे पर फिलहाल सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस पहलगाम

आतंकी हमलों और उससे उत्पन्न हालात को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रही है। यह बैठक अभी तक नहीं बुलाई गई है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि 10 मई को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष-दोनों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया था, ताकि पहलगाम आतंकी हमलों और उससे जुड़ी परिस्थितियों पर चर्चा की जा सके और एक साझा प्रस्ताव के माध्यम से सामूहिक संकल्प प्रकट किया जा सके। रमेश के अनुसार, प्रधानमंत्री ने उस सुझाव को भी स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने दावा किया, अब सुनने को मिल रहा है कि 25-26 जून को आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर संसद का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। कांग्रेस महासचिव ने कहा, यह प्रधानमंत्री द्वारा वास्तविक

चुनावी मौसम में विशेष पैकेज का पुराना जादू

बिहार में विपक्ष पीएम मोदी के दौरे का जबर्दस्त विरोध कर रहा है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि हर चुनाव से पहले विशेष पैकेज बिहार में उसी तरह प्रकट होता है जैसे गर्मी में आम का मौसम। 2015 में 1.25 लाख करोड़ का पैकेज जो बाद में जुमला बन गया इस बार फिर चर्चाओं में है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी

कहते हैं कि मोदी ने जो कहा था उसे किया है लेकिन ज़मीन पर लोग कहते हैं कि किया है तो किसने देखा। तेजस्वी यादव का सोशल मीडिया पर किया गया एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने पूछा था कि बिहार को भाषण नहीं भागीदारी चाहिए।

मोदी का विकास मॉडल बोल बचन

पीएम मोदी के पश्चिम बंगाल पहुंचने से पहले ही ममता बनर्जी तैयार बैठी थीं। सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को सलाह दी कि पहले बिहार बचाईये फिर बंगाल आइये उन्होंने कहा कि बंगाल में राजनीति अब भावनाओं की ज़मीन पर लड़ी जा रही है। राज्य की सीएम व टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने मोदी के विकास मॉडल को बोल बचन बता दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा को लगता है कि यहां भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण जैसे मुद्दे पकड़ में आ सकते हैं लेकिनबंगाल की माटी इतनी आसानी से नहीं पकड़ में आती।

पीएम मोदी का किस चीज के लिए स्वागत हो रहा है : पप्पू यादव

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए उनसे सवाल पूछा है कि बिहार के लिए विशेष राज्य के पैकेज का क्या हुआ? सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि बिहार में पिछले 11 वर्षों में पलायन, बेरोजगारी बढ़ गई है और चुनाव में ही सिर्फ बिहार क्यों नजर आता है? मैं पूछता हूं कि किस चीज का स्वागत बिहार में हो रहा है। उन्होंने बिहार में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी नीतीश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था कहां है? इस सरकार से पटना नहीं संभल रहा है। बिहार और देश क्या संभलेगा? बिहार में विपक्ष के वोटर ही विपक्ष के वोटर को मार रहा है। पक्ष-विपक्ष सब चुप है। आतंकवाद से ज्यादा खतरा अपराध है और पटना में बहन-बेटियां घर से नहीं निकल रही हैं। नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

भाजपा एक नाकामयाब सरकार है: अखिलेश

प्राथमिक शिक्षक भर्ती का आश्वासन नहीं, विज्ञापन दो

» कहा-नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं

» 7 सालों से नहीं निकाली डीएलएड की भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी सरकार पर करारा वार किया है। उन्होंने कहा भाजपा एक नाकामयाब सरकार है। सरकार ने संपूर्ण उप्र के भावी प्राथमिक शिक्षकों को मायूस करके, उन्हें प्रयागराज में नयी प्राथमिक शिक्षक भर्ती निकालने के लिए 'महाधरना' देने पर मजबूर कर दिया है। 7 सालों से डीएलएड की भर्ती न निकालकर भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि प्राथमिक शिक्षा उसकी प्राथमिकता ही नहीं है। सच्चाई तो ये है कि नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं।

भाजपा शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी-रोज़गार जैसे बुनियादी मोर्चों पर पूरी तरह फ़ेल साबित हुई है । कुल मिलाकर भाजपा एक नाकामयाब सरकार है। हम शिक्षा संबंधित हर बात और हर तरह की शिक्षक भर्ती के सभी अभ्यर्थियों की माँगों के साथ मजबूती से साथ खड़े हैं। वहीं उन्होंने नदियो की सफाई पर कहा- भाजपा की सफ़ाई भी जुमलाई। अब भाजपा को जनता साफ़ करेगी। अब पक्ष में ही होगा हर नतीजा, तलवारों के साये पर, इतिहास हमारा बनता है। जिस ओर जवानी चलती है उस ओर ज़माना चलता है। समाजवादियों...2027 तक मेहनत कर लो, उसके बाद यूपी से लेकर केंद्र तक, तुम्हीं सब कुछ तय करोगे।

स्वतंत्र पत्रकारिता ही जनता की आवाज़ नीचे से ऊपर तक पहुँचाती है

सपा मुखिया ने कहा कि वही मीडिया और पत्रकारिता लोकतांत्रिक होती है जो लोक या जनता की आवाज़ नीचे से ऊपर तक पहुँचाती है। ऐसी स्वतंत्र पत्रकारिता का सत्ता से 'जिसका दाना-उसका गाना' वाला संबंध नहीं होता है। ऐसा जर्नलिज्म सत्ता से सवाल भी पूछता है और जन-जन की समस्या और अपेक्षा के लिए, जनता की गुहार-पुकार का मंच भी बनता है और जन आकांक्षाओं की पूर्ति न होने पर सरकार का आलोचक भी। अंततः ऐसी बेबाक पत्रकारिता को ही दर्शक सराहता है, जिसमें साधन-संसाधन की भले कमी होती है लेकिन सत्य और विश्वसनीयता की नहीं। कुछ मेन स्ट्रीम मीडिया चैनल में चाटुकारिता, पत्रकारिता का पर्यायवाची बन गयी है। ऐसे पथभ्रष्ट मीडिया चैनल पर उनके दर्शक तक विश्वास नहीं करते हैं। सत्ता से नालबद्ध संबंध रखनेवाले, ऊपर से आये और सत्ता द्वारा बनाये गये समाचारों को नीचे पहुंचाने वाले ऐसे चापलूस लोग दरअसल मीडियेटर हैं, मीडिया नहीं। जिसमें संगीत, नाटकीयता, ग्राफ़िक्स, सेट डिज़ाइन आदि की दिखावटी भूमिका ज़्यादा ज़रूरी होती है क्योंकि तत्व और तथ्य के स्तर पर इनमें इन बाहरी सजावटी तत्वों और सनसनी के अतिरिक्त और कुछ भी ठोस आंतरिक तत्व नहीं होता है।

देश में पिछले 11 साल में असंतुलित विकास और आय का असमान वितरण बढ़ा

हमारे देश में असंतुलित विकास और आय के असमान वितरण की असली वजह ये है कि देश में मैन्युफ़ैक्चरिंग और प्रॉडक्शन लगातार घटता जा रहा है और बड़े-बड़े कारोबारी घराने ट्रेडिंग पर ही जोर दे रहे हैं। औद्योगिक घराने धीरे-धीरे ख़त्म किये जा रहे हैं, जिससे हमारे अपने कच्चे माल, स्किल और हुनर का मोल-मान-महत्व घट रहा है और नौकरी-रोज़गार भी। इसका सबसे बुरा असर ये है कि नारा तो आत्मनिर्भरता का दिया जा रहा है पर बढ़ावा दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों से हाथ मिलाकर, उनके सेलिंग एजेंट बनकर अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र को, दुनिया भर से सामान और सर्विसेज़ तक को इंपोर्ट करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इसी कारण अमीर और भी अमीर होते जा रहे हैं व ग़रीब और भी ग़रीब। ये एक विरोधाभासी आर्थिक नीति है जहाँ मंच से तो आत्मनिर्भरता की बात की जाती है लेकिन पर्दे और मंच के पीछे विदेशियों से तैयार माल मँगाने और उनके लाए गये माल को बेचने के सौदे किये जाते हैं।

बृजभूषण रोड शो कर रहे है जबकि अभी मामला कोर्ट में है : बजरंग पूनिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत। महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप लगने से घिरे बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आवाज उठाने वाले ओलंपियन पहलवान बजरंग पूनिया ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने लिखा कि पॉक्सो एक्ट के एक मामले में बरी होने के बाद बृजभूषण रोड शो कर अपनी जीत का प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि अभी छह महिला पहलवानों के यौन शोषण से जुड़े केस कोर्ट में लंबित हैं।

बजरंग पूनिया ने आरोप लगाया कि जब महिला पहलवानों ने जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था, तभी नाबालिग पहलवान ने अचानक अपना बयान वापस ले लिया था। बजरंग ने लिखा कि उस समय वह बृजभूषण के दबाव में थी, जबकि वह एक बार उसके खिलाफ अदालत में गवाही दे चुकी थी। बजरंग पूनिया ने यह भी लिखा कि बृजभूषण सिंह अब भी बाकी महिला पहलवानों पर लगातार दबाव बना रहा है कि वे अपने मुकदमे वापस लें। उन्होंने आरोप लगाया कि बृजभूषण फिर से अपनी ताकत दिखाने के लिए रोड शो निकालना चाहता है और इसके लिए वह पीड़ितों को झुकाने की कोशिश कर रहा है। बजरंग पूनिया ने अपनी पोस्ट में लिखा, कई बार लगता है कि आज भी कानून गुंडों के सामने बौना है।

भाजपा द्वेष से प्रेरित होकर कर रही कार्रवाई : पार्टी

» मप्र कांग्रेस चीफ के भाइयों पर हुई एफआईआर

» पुलिस मुख्यालय पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भारत पटवारी एवं नाना पटवारी के खिलाफ इंदौर के तेजाजी नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर एक बुजुर्ग ने धोखाधड़ी कर जमीन पर कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस इसे रानीतिक द्वेष बता रही है।

इस लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय, भोपाल पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में विधायक आरिफ मसूद, कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक,

भूमि यादव महासभा की

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा यह बीजेपी राजनीति के असली चेहरे को उजागर करती है। वह भूमि यादव महासभा की है, और उस पर लगे बोर्ड पर मुख्यमंत्री के भाई का नाम दर्ज है। इसके बावजूद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के भाईयों को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। कांग्रेस इस राजनीतिक षड्यंत्र के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

जिन पर एफआईआर उनका जमीन से कोई लेना-देना नहीं : सिंघार

सिंघार ने कहा कि एफआईआर में जिनका नाम है, उनका जमीन से कोई लेना-देना नहीं है, जबकि उस ट्रस्ट की जमीन पर लगे बोर्ड पर स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री मोहन यादव के भाई का नाम अंकित है। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठता है कि जब मुख्यमंत्री के भाई का नाम उस जमीन से जुड़ा है, तो विपक्ष के नेताओं के परिजनों पर मुकदमे कैसे की गई? ये भाजपा सरकार का तानाशाही रवैया दिखाता है। हम मांग करते हैं कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव कुणाल चौधरी, चुनाव आयोग प्रभारी जेपी धनोपिया सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शिकायत करने पीएचक्यू पहुचें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह बीजेपी राजनीतिक द्वेष की भावना से प्रेरित होकर की गई है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार भाजपा सरकार व्यक्तिगत दुश्मनी के तहत विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

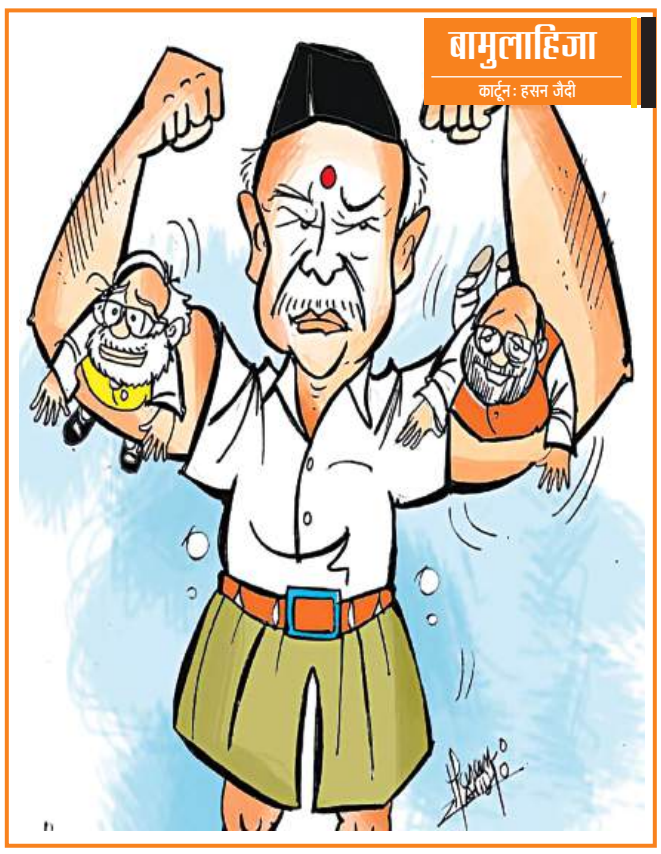

मेरे ऊपर हमला करने वालों पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई : रामजी लाल

» बोले-उल्टा मुझे रोका सपा सांसद रामजीलाल सुमन फिर हाउस अरेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी कर चर्चा में आए समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन को एक बार फिर आगरा में हाउस अरेस्ट कर लिया गया। उनकी मथुरा में दलित परिवार से मिलने जाने की सूचना मिलने पर पुलिस फोर्स उनके घर पहुंच गया और उन्हें घर से निकलने से रोक दिया गया। सपा सांसद का कहना है कि दलितों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, और सरकार पीड़ितों को न्याय देने के बजाय हमें रोक रही है।

दरअसल, सोमवार को समाजवादी पार्टी ने मथुरा के भूरेका में हुई उस घटना की जानकारी और

पीड़ित परिवार से मुलाकात के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया था। जहां एक दलित परिवार बेटे की 22 मई को बारात नहीं चढ़ने दी गई थी। सोमवार को सांसद के मथुरा मूव की जानकारी मिलते ही भारी पुलिस फोर्स ने सपा सांसद के संजय प्लेस स्थित आवास को घेर लिया। पुलिस ने उनके घर के बाहर बैरिकेडिंग कर दी। इसके बाद जब सांसद समर्थकों के साथ घर से बाहर निकले तो पुलिस ने उन्हें वहीं रोक दिया और नोटिस थमा दिया। सांसद ने कहा कि यह क्या ड्रामा लगा रखा है।

यूपी की सियासत में फिर मंदिर का राग

बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट पर सियासी बवाल

- अखिलेश यादव का बड़ा हमला
- मंदिरों पर कब्जा करना चाहती है बीजेपी
- दान-पुण्य के धन को अपने हितों के लिए उपयोग करने की मंशा

संजीव पाठक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी जबसे सत्ता में आई है, तभी से धर्म की राजनीति करने में जुटी हुई है। मंदिर-मस्जिद पर बीजेपी की सारी राजनीति केंद्रित है। मंदिर- मस्जिद के अलावा बीजेपी सरकार के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। इस बीच बांकेबिहारी जी मंदिर ट्रस्ट के गठन को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। बता दें कि सपा चीफ अखिलेश यादव ने हाल ही में वृंदावन के प्रसिद्ध बांकेबिहारी जी मंदिर ट्रस्ट के गठन को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने दावा किया है कि बीजेपी अपने संगी-साथियों को मंदिर प्रबंधन में शामिल करके भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है और परंपरागत रूप से मंदिरों की सेवा करने वाले पुजारियों और सेवकों के अधिकारों को छीन रही है, और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी बात रखते हुए मंदिरों को सरकारी प्रशासन के भ्रष्टाचार से बचाने की अपील की इस मुद्दे ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। जहां सपा और बीजेपी के बीच पहले से ही कई मुद्दों पर तनातनी चल रही है। अखिलेश यादव ने अपने बयान में बीजेपी पर मंदिरों के प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने का आरोप लगाया। और उन्होंने कहा कि सरकार मंदिरों के प्रबंधन के नाम पर अपने लोगों को महत्वपूर्ण पदों पर बिठा रही है। जिससे परंपरागत सेवकों की आस्था और समर्पण का अपमान हो रहा है, जो लोग सैकड़ों वर्षों से मंदिरों की सेवा में लगे हैं। उन्हें न केवल उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, बल्कि उन पर अविश्वास भी जताया जा रहा है, अखिलेश ने दावा किया कि बीजेपी की यह रणनीति मंदिरों के दान-पुण्य के धन को अपने हितों के लिए उपयोग करने की है जिसे उन्होंने धन की अत्यधिक लालसा करार दिया। आपको बता दें कि मंदिरों में श्रद्धालु जो दान-पुण्य करते हैं। उसका उपयोग मंदिर के दर्शन, प्रसाद, सुरक्षा, और धर्मशाला जैसे कार्यों में होना चाहिए लेकिन बाहरी और पेशेवर लोग इसे लाभ-हानि के नजरिए से देखते हैं जिससे मंदिरों की पवित्रता और आस्था पर आघात पहुंचता है अखिलेश ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में प्रशासनिक लोगों ने मंदिरों में चढ़ाए गए। बेलपत्रों तक को बेचने का काम किया है। जो भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है।

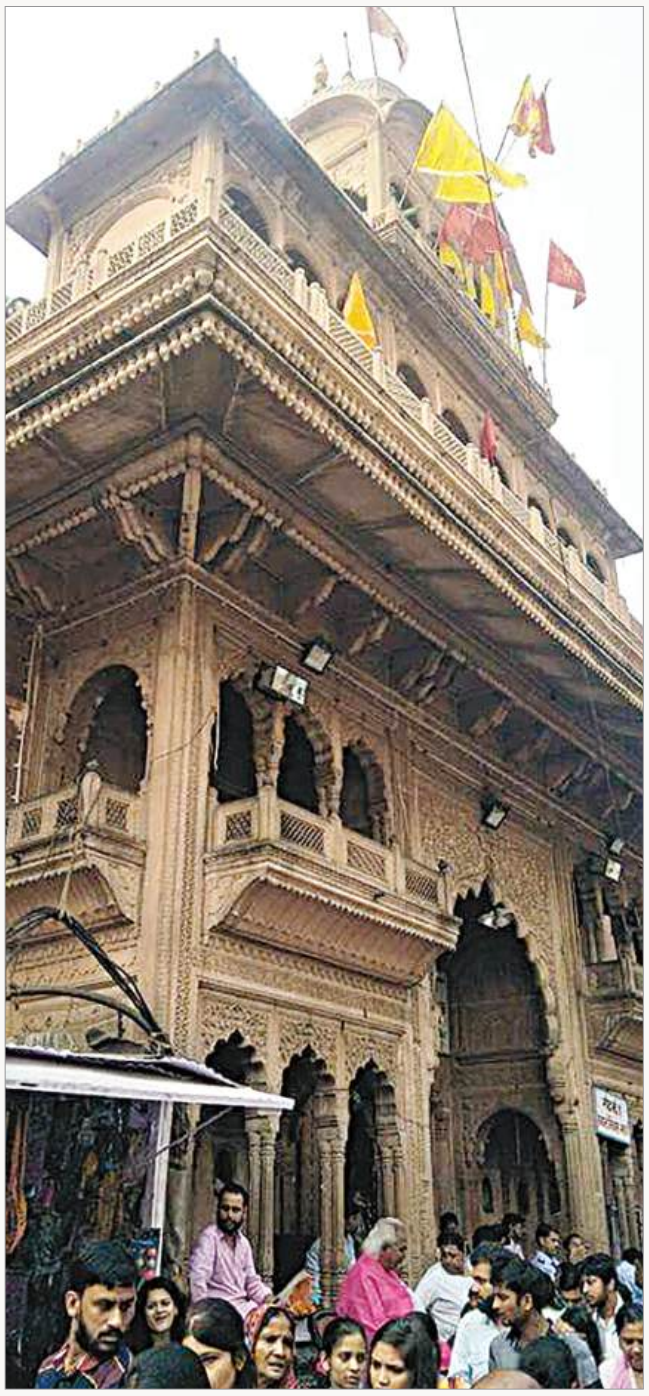

महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक है बांकेबिहारी जी मंदिर

वृंदावन का बांकेबिहारी जी मंदिर उत्तर प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक है। जहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इस मंदिर के प्रबंधन को लेकर समय-समय पर विवाद उठते रहे हैं, लेकिन हाल ही में ट्रस्ट के गठन और इसके प्रबंधन में सरकारी हस्तक्षेप ने इस मुद्दे को और गर्मा दिया है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि बीजेपी सरकार मंदिर के प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेकर इसे एक कारोबारी गतिविधि में बदल रही है। यह न केवल धार्मिक भावनाओं का अपमान है, बल्कि मंदिरों की स्वतंत्रता और परंपराओं पर भी हमला है।

जनता की भावनाएं भड़काने की योजना

अखिलेश ने यह भी सवाल उठाया कि क्या सरकार का यह कदम मंदिरों की संपत्ति और दान के धन पर नियंत्रण करने की कोशिश है.और उन्होंने कहा कि धर्म भलाई के लिए होता है, कमाई के लिए नहींयह बयान बीजेपी के लिए एक तीखा हमला है।. क्योंकि उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दों को अपनी राजनीति का आधार बनाती रही है हालांकि बीजेपी ने अभी तक अखिलेश के उन आरोपों का स्पष्ट जवाब नहीं दिया। जिनमें उन्होंने मंदिरों में भ्रष्टाचार और बेलपत्र बेचने जैसे दावों का जिक्र किया। वहीं यह बीजेपी के लिए परेशान करने वाला हो सकता है.। क्योंकि उत्तर प्रदेश में धार्मिक स्थलों का प्रबंधन एक संवेदनशील मुद्दा है और इसे लेकर जनता की भावनाएं गहरी जुड़ी हुई हैं।

सपा ने बीजेपी को किया बैकफुट पर

अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को उठाकर न केवल धार्मिक भावनाओं को छुआ है। बल्कि अपनी पार्टी की पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक रणनीति को भी मजबूत करने की कोशिश की है और उन्होंने बीजेपी पर सामाजिक और धार्मिक आधार पर समाज को बांटने का आरोप लगाया है, यह रणनीति 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के लिए फायदेमंद रही थी। जहां पार्टी ने 37 सीटें जीतकर उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।वहीं अखिलेश का बयान बीजेपी के उस नैरेटिव को चुनौती देता है। जिसमें वह खुद को हिंदू धर्म और संस्कृति का रक्षक बताती है। मंदिर प्रबंधन जैसे संवेदनशील मुद्दे को उठाकर अखिलेश ने बीजेपी को उसी के मैदान में घेरने की कोशिश की है। और उनका यह भी कहना है कि बीजेपी असल मुद्दों जैसे बेरोजगारी, किसानों की समस्याएंऔर सामाजिक न्याय से ध्यान हटाने के लिए धार्मिक मुद्दों को हवा देती है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में आया नया मोड़

अखिलेश यादव का बांकेबिहारी मंदिर ट्रस्ट को लेकर दिया गया बयान उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ लाया है.। उनके आरोपों ने बीजेपी को कटघरे में खड़ा किया है और मंदिर प्रबंधन जैसे संवेदनशील मुद्दे को जनता के सामने लाकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां बीजेपी इसे मंदिरों में सुधार और पारदर्शिता का कदम बता रही है। वहीं अखिलेश इसे भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग का मामला बता रहे हैं। वहीं आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह मुद्दा किस दिशा में जाता है, क्या यह धार्मिक समुदायों और जनता के बीच बीजेपी के खिलाफ असंतोष को बढ़ाएगा या फिर बीजेपी इसे अपने पक्ष में मोड़कर धार्मिक सुधार के अपने एजेंडे को मजबूत करेगी। फिलहाल अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को उठाकर बीजेपी को एक कठिन सवाल के सामने लाकर खड़ा कर दिया है वहीं अब देखना होगा की बीजेपी इस चुनौती का सामना कैसे करती है।

मंदिरों के प्रबंधन को लेकर पहले भी हो चुके हैं विवाद

मंदिरों के प्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश में पहले भी कई बार विवाद हो चुके हैं। अखिलेश यादव ने अपने बयान में उत्तराखंड के देवस्थानम बोर्ड का उदाहरण दिया। जहां बीजेपी सरकार ने मंदिरों के प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश की थी, लेकिन जनता के विरोध के बाद उसे पीछे हटना पड़ा। अखिलेश ने दावा किया कि बीजेपी वही रणनीति अब उत्तर प्रदेश में अपना रही है। जिसे वह मंदिरों पर कब्जा करार दे रहे हैं।

पुराने मंदिरों को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के मंदिरों में वकीलों को रिसीवर बनाए जाने वाली अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए कहा है कि मथुरा के मंदिरों में प्रबंधकीय विवाद के कारण वकीलों को रिसीवर नियुक्त करने से सिविल वादों का निस्तारण करने में रुचि नहीं ली जा रही। कोर्ट ने कहा कि मथुरा के मंदिरों में वकीलों में रिसीवर बनने की होड़ मची हुई है। कोर्ट ने कहा वेद शास्त्र का ज्ञान रखने वाले श्रद्धालु को मंदिरों का प्रशासन व प्रबंधन सौंपा जाना चाहिए, इससे वकीलों को दूर रखा जाए।हाईकोर्ट ने जिला जज को सिविल वादों के शीघ्र निपटारे के सभी प्रयास करने का निर्देश दिया है। यह आदेश जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल ने देवेंद्र कुमार शर्मा व? अन्य बनाम मथुरा की अपर सिविल जज, सीनियर डिवीजन रुचि तिवारी के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। इस याचिका पर सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद 28 मई को कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कई टिप्पणियां कीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में अदालत के 28 मार्च 2023 के आदेश को रद्द करते हुए प्रकरण तय करने के लिए सिविल जज को वापस भेज दिया है। कोर्ट ने कहा है कि मथुरा के अधिकांश पुराने व प्रसिद्ध मंदिर कानूनी विवादों के पचड़े में फंसे हुए हैं। लोगों में मंदिरों का रिसीवर बनने की होड़ लगी है। ये ट्रस्ट, सेवायतों व प्रबंध समिति को मंदिर व्यवस्था नहीं करने दे रहे। अदालत से नियुक्त रिसीवर मंदिर प्रबंधन देख रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला जज मथुरा से विवादित मंदिरों की सूची मांगी। हाईकोर्ट व अधीनस्थ अदालतों के अधिवक्ता चंदन शर्मा ने जिला जज की रिपोर्ट दी और बताया कि मथुरा में कुल 197 मंदिर विवादों में घिरे हैं। वृंदावन, गोवर्धन, बलदेव, गोकुल, बरसाना, माठ आदि जगहों पर मंदिर स्थित हैं। कोर्ट ने कहा कि जिन मंदिरों में वकील रिसीवर हैं वे केस को तय कराने के बजाए लंबित रखने में रुचि लेते हैं. मुकदमा तय करने का कोई प्रयास नहीं करते। रिसीवर होना स्टेटस सिंबल बना हुआ है। हर कोई रिसीवर बनना चाहता है। वकीलों के पास मंदिर प्रशासन व प्रबंधन के लिए समय नहीं। वकील मुकदमा कर खुद रिसीवर बन रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बदलता मौसम, बिगड़ता प्राकृतिक संतुलन

उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी मई के आखिरी दिनों में रात कहर बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है।

आजकल मौसम क्या-क्या रंग लेगा सब अनिश्चित है। जाड़े में गर्मी का अहसास तो गर्मी में आंधी पानी वहीं बरसात में सूखे जैसे हालात ये बयां रहे हैं कि मौसम पर जलवायु परिवर्तन का व्यापक असर हो रहा है। बदलते मौसम बता रहे हैं कि प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है और अब समय आ गया है हम सचेत हो जाएं। उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी मई के आखिरी दिनों में रात कहर बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है।

एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं। हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छो? दिया। इस साल मई महीने की शुरुआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ऑपरेशन सिंदूर के निष्कर्षों से सीखें सबक

एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर (अ.प्रा.)

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक यूं खत्म होना एकदम अप्रत्याशित था -वास्तव में, यह किसी परीक्षा-पत्र में 'पाठ्यक्रम से इतर' आए सवाल की तरह रहा! हालांकि, अच्छा हुआ कि पूर्ण पैमाने का युद्ध टल गया और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम का आगे उल्लंघन नहीं होगा। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नजर रखे हुए हों, तथापि कुछ निष्कर्ष ऐसे हैं जो समीक्षा के रूप में निकाले जा सकते हैं। सर्वप्रथम, मौजूदा सेना के रिवायती त्रि-सेवा तंत्र ने रणभूमि कमान के बिना भी काम कर दिखाया है। इसलिए, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए नरसंहार और 7 मई को आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद तीन दिन चले हमलों की शुरुआत होने के बीच की अवधि में थल और वायुसेना ने बड़ी विशेषज्ञता से संयुक्त योजना की रूपरेखा तय कर इनके परिणाम दिए।

पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के हमले निरंतर, तीव्र और सघन थे और हमारी प्रतिक्रियाएं भी समान रहीं, लगभग सभी पाकिस्तानी प्रक्षेपास्त्र (यूएवी, मिसाइल, सशस्त्र और बिना हथियार वाले ड्रोन) सफलतापूर्वक गिरा लिए गए, इसका श्रेय भारतीय वायुसेना के स्वदेश विकसित एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) को जाता है, जो सभी सैन्य और नागरिक राडार जनित समग्र सूचना को एकीकृत स्क्रीन पर संश्लेषित कर दिखा देता है। यह प्रणाली लक्ष्यों से पैदा होने वाले खतरों का इलेक्ट्रॉनिक आकलन करके, युद्ध नियंत्रक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो भी हथियार प्रणाली सबसे उपयुक्त हो, उसका इस्तेमाल कार्रवाई करने का आदेश देती है। दूसरा, चार दिनों तक चले आपसी टकराव मुख्यत: पूरी तरह से न सही, हवाई माध्यम से चोट पहुंचाने वाले रहे। यह टकराव एक ऐसे सघन वायु रक्षा प्रणाली से लैस इलाके में हुए, जहां दोनों पक्ष वार-प्रतिवार की हवाई लड़ाई लड़ रहे थे, यह स्थिति इराक, अफगानिस्तान और सीरिया में पश्चिमी ताकतों द्वारा और गाज़ा एवं लेबनान पर इस्राइलियों द्वारा की गई हवाई बमबारी से उलट थी, जहां उन्हें अपने अभियानों में विरोधियों के हवाई हमला निरोधक उपायों का सामना नहीं करना पड़ता।

स्वाभाविक है युद्ध में नुकसान भी होता है और यह संघर्ष की एक अनन्य प्रकृति है कि आक्रामक पक्ष को कुछ नुकसान झेलना ही पड़ता है, निश्चित रूप से भारतीय वायुसेना इसका भी आलोचनात्मक विश्लेषण करेगी। अब

उपलब्ध फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चलता है कि भारत के यूएवी और मिसाइलों के हमले बहुत प्रभावी रहे, और यह तथ्य है कि पाकिस्तान भर में फैले उसके ग्यारह फ्रंटलाइन एयरबेसों पर भारतीय वायुसेना ने करारी चोट की है और यह हमारी पहुंच और हथियारों की प्रभावशीलता का प्रमाण है। हालांकि, भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या और वायु-शक्ति के बारे में काफी खबरें आती रही हैं और चूंकि हमारी सीमाएं आगे भी सक्रिय रहेंगी, इसलिए भारतीय वायुसेना की प्रहारक क्षमता बनाए रखने पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। हथियार प्रणाली, एन्क्रिप्टेड संचार और प्रहारक क्षमता जैसे कि एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम, एरियल फ्लाइट रिफ्यूलर और अत्याधुनिक अस्त्रास्त्र जैसी प्रणालियों की जरूतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अंतिम विश्लेषण में यह याद रखना चाहिए कि यह एक अन्य उदाहरण रहा, जब वायु शक्ति की प्रभावशीलता ने शांति स्थापना की दिशा में राजनीतिक और कूटनीतिक वार्ता की राह प्रशस्त की। तीसरा, हालांकि एस-400 सरफेस टू एयर मिसाइल (सैम) प्रणाली ने मुख्यत: मीडिया की सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह स्वदेशी राडार, सरफेस टू एयर मिसाइलें और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली, जिनसे हमारी जमीनी वायु रक्षा की रीढ़ बनी है, इसकी बढ़िया कारगुजारी ने स्वदेशी हथियारों का महत्व उजागर किया है। गौरतलब है कि यह क्षमता डीआरडीओ और निजी क्षेत्र के सम्मिलित उद्यम से बनी है और वास्तव में यह बहुत उत्साहजनक है। ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम की प्रचुर उपलब्धता रहने के पीछे क्षेत्रीय कमानों के वाइस चीफ और कमांडर-इन-चीफ को दी गई आपातकालीन शक्तियों का परिणाम भी हो सकता है।

वहीं भारतीय वायुसेना द्वारा डिजाइन की गई कम दूरी की एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणाली, सरफेस-टू-एयर मिसाइल फॉर एश्योर्ड रिटेलिएशन के रूप में अपने ही संस्थानों में विकसित किए स्वदेशी अस्त्र बहुत काम आए। यह एसएएमएआर हमने सरफेस-टू-एयर मिसाइल के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली रूस निर्मित आर-73 और आर-27 एयर टू एयर मिसाइलों का नवीनीकरण करके पाया है (वरना इससे पहले उनका जीवनकाल समाप्त होने पर कबाड़ के रूप में खुर्द-बुर्द करना पड़ता था)।

बेमौसम बरसात से बिगड़े कृषि समीकरण

पंकज चतुर्वेदी

कहते हैं, जब जेठ तपता है, तब आषाढ़ बरसता है और सावन-भादों में झड़ी लगती है। लेकिन इस वर्ष नौतपा में, जब देश को गर्मी से झुलसना चाहिए था, तब तो जैसे सावन ही आ गया हो— बारिश की झड़ी लग गई। मौसम वैज्ञानिक इसे मानसून-पूर्व वर्षा मानते रहे, परंतु चुपके से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल में मानसून की बयार समय से पहले ही दस्तक दे गई। हमारे देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना मानसून पर गहराई से निर्भर है। इस वर्ष केरल में मानसून 24 मई को, यानी सामान्य तिथि से आठ दिन पहले पहुंच गया। कर्नाटक और मुंबई में भी 26 मई को मानसून ने समय से पहले ही दस्तक दे दी। हालांकि इस असामयिक बारिश ने गर्मी से राहत जरूर दी, लेकिन यदि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून यूं ही अनियमित होता रहा, तो देश के कई आर्थिक और कृषि संबंधी समीकरण बिगड़ सकते हैं।

भारत में जलवायु की मुख्यत: तीन अवस्थाएं मानी जाती हैं - मानसून-पूर्व, मानसून और मानसून-पश्चात। इसी कारण भारत की जलवायु को 'मानसूनी जलवायु' कहा जाता है। देश की खेती, हरियाली और वर्ष भर के जल संसाधनों की व्यवस्था इसी बरसात पर निर्भर करती है। भारतीय मानसून मुख्यत: गर्मियों के दौरान वायुमंडलीय परिसंचरण में होने वाले परिवर्तनों पर आधारित होता है। जैसे ही गर्मी की शुरुआत होती है, सूर्य उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के उत्तरायण के साथ-साथ अंत:उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का भी उत्तर की ओर स्थानांतरण होने लगता है। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है, जिससे मानसून की स्थितियां बनती हैं। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सर्दियों में 'अल-नीनो' और अन्य मौसमों में 'ला नीना' जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएं भारत के मानसून-तंत्र को प्रभावित कर रही हैं, जिससे मानसून का समय और स्वरूप दोनों ही अस्थिर हो रहे हैं। इस साल बहुत पहले और बरसात का प्रमुख कारण समुद्री सतह के तापमान में वृद्धि माना जा रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाने से मानसून जल्दी शुरू हो सकता है।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। वैश्विक तापमान बढ़ने के चलते यूरेशिया और हिमालय में बर्फ का कम होना और तेजी से पिघलने ने भी जल्दी बरसात को बुलावा दिया है। बर्फ की कमी से जमीन जल्दी गर्म हो जाती है, जिससे कम दबाव का क्षेत्र मजबूत होता है, जो मानसूनी हवाओं को अपनी ओर खींचता है और मानसून को जल्दी ला सकता है। जल्दी मानसून के कुछ वैश्विक कारक भी हैं। अल नीनो की तरह इनमें से एक मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन हिंद महासागर में बादलों और बारिश को प्रभावित करने वाली एक वैश्विक मौसमी घटना है।

इसके अनुकूल चरण (चरण-3 और चरण-4 की शुरुआती गतिविधि) मानसूनी हवाओं के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकते हैं और मानसून को जल्दी ला सकते हैं। एक अन्य कारण वैश्विक कारक सोमाली जेट है। मॉरीशस और मेडागास्कर के पास से निकलने वाली एक प्रमुख निम्न-स्तरीय पवन धारा - मई 2025 में तीव्र हो गई। यह जेट अरब सागर के पार केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र सहित भारत के पश्चिमी तट पर नमी से भरी हवा पहुंचाता है। इस साल इसकी असामान्य ताकत मानवजनित प्रभावों के कारण प्रतीत होती है। किसानों को अक्सर मानसून के एक निश्चित समय पर आने की उम्मीद होती है। यदि मानसून जल्दी आ जाता है, तो वे खेत तैयार करने, बुवाई करने या सही फसल का चुनाव करने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं। जल्दी मानसून से उनका सामान्य फसल चक्र बाधित हो सकता है। महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में समय से पहले बरसात ने बड़े पैमाने पर फसलों को प्रभावित किया है। आम, अनार, नींबू जैसी बागवानी फसलों के साथ साथ बाजरा, मक्का की फसल भी प्रभावित हुई है। बारिश की सबसे ज्यादा मार प्याज किसानों पर पड़ी है। इसके अलावा सोयाबीन और उड़द एवं मूंग जैसी फसलों के प्रभावित होने की भी आशंका जताई जा रही है। नासिक में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। भारी बारिश के कारण बागवानी के आलावा बाजरा, मक्का जैसी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है।

किसानों के मुताबिक सोयाबीन के लिए जुताई और कतार बनाने के मामले में खेत की तैयारी अभी पूरी नहीं हुई है। बारिश ने काम रोक दिया है। बुवाई का काम खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद भी शुरू होता है। मूंग और उड़द जैसी फसलों के लिए बुवाई का समय कम होता है, जबकि कपास और सोयाबीन जैसी फसलों के लिए यह समय लंबा होता है। किसानों को चिंता है कि कहीं यह बारिश बुवाई के दौरान मुश्किल न बन जाए। कोंकण, नासिक, पुणे, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, लातूर, अमरावती और नागपुर में प्याज उत्पादक क्षेत्रों में बेमौसम बारिश से ज्यादा प्याज की फसल को नुकसान हुआ है। समय से पहले मानसून का आना मौसम के पैटर्न में एक व्यवधान का संकेत हो सकता है, जो कृषि से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में अनपेक्षित और नकारात्मक परिणाम पैदा कर सकता है।

स्पीति वैली

स्पीति वैली हिमाचल प्रदेश के सबसे ठंडे हिल स्टेशनों में शामिल है। यहां सर्दियों में बहुत ज्यादा ठंड पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में भी यहां का तापमान सर्दियों की तरह ही कड़कड़ाती ठंड वाला होता है। बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच गर्मी में भी सर्दी को महसूस किया जा सकता है। अप्रैल के महीने में स्पीति वैली का तापमान अप्रैल के महीने में माइनस में रहता है। न्यूनतम यहां माइनस 13 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहता है। यह मार्च से जून तक पर्यटकों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है। ट्रेन से स्पीति वैली की यात्रा करना चाहते हैं तो सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदर नगर स्टेशन हैं जो कि 169 किमी दूर है।

ऑफबीट हिल स्टेशन

जहां गर्मी होगी छूमंतर

गर्मियों के महीने चल रहे हैं और राजधानी दिल्ली समेत कई शहरों में तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। चटकती गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडी जगहों पर जाना चाहते हैं। हालांकि कम तापमान या ठंडी जगहों का जिक्र होते ही सबसे पहले शिमला मनाली की याद आती है। ये ऐसे हिल स्टेशन है, जहां साल भर पर्यटकों की भीड़ रहती है। लेकिन आप इस उमस भरी गर्मी से राहत पाने के लिए ऐसे आफबीट हिल स्टेशन को चुनें, जहां का मौसम सुहावना हो और माहौल शांत हो। इस तरह के हिल स्टेशनों पर भीड़ कम होती है और सुकून ज्यादा होता है। धुंध भरे पहाड़ों, खूबसूरत झीलों के बीच शांति और प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव लेने के लिए आपको कुछ ऑफबीट हिल स्टेशनों के बारे में बताया जा रहा है, जहां आप गर्मियों के महीने में घूमने की योजना बना सकते हैं।

कलगा गांव

हिमाचल प्रदेश के कल्लू जिले में पार्वती घाटी पर पुलगा डैम के पास कलगा गांव स्थित है जो ट्रैकिंग के लिए लोकप्रिय स्थल है। अप्रैल के महीने में कलगा का अधिकतम तापमान औसत 14 डिग्री सेल्सियस तक रहता है और निम्नतम -4 डिग्री सेल्सियस रहेगा। ट्रैकिंग के शौकीन हैं तो कलगा गांव का रुख करें। इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में तीन दिन का वक्त लग सकता है। ट्रैकिंग के अलावा यहां पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है। सूर्यास्त का दृश्य तो बहुत ही मनमोहक होता है। कलगा पहुंचने के लिए हवाई अड्डे से 25 किलोमीटर की दूरी पर मणिकर्ण है, जहां के लिए बस या टैक्सी आसानी से मिल जाती हैं।

तवांग

अरुणाचल प्रदेश का तवांग अपने ठंडे मौसम और खूबसूरत मठों के लिए पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र है। यहां इस महीने औसतन अधिकतम तापमान 14 डिग्री और न्यूनतम 2 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। तवांग में भारत का सबसे बड़ा और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मठ भी स्थित है। प्राकृतिक नजारों, सुहावने मौसम के बीच सुकून भरी छुट्टियां बिताने के लिए तवांग की यात्रा की जा सकती है। तवांग के लिए कोई सीधी उड़ान नहीं है। तवांग से लगभग 387 किमी दूर तेजपुर हवाई अड्डा है। गुवाहाटी से तवांग की दूरी 450 किमी है, हालांकि पहाड़ी रास्ते के कारण सड़क मार्ग से एक दिन से अधिक का वक्त लग सकता है।

जीरो पॉइंट

जीरो पॉइंट सिक्किम की युमथांग घाटी में स्थित है। यहां बर्फ से ढके पहाड़ों का अद्वितीय दृश्य दिखाई देता है। बर्फ के शौकीन लोगों के लिए यह स्थान पसंदीदा है। यहां हिमालय की विशाल श्रृंखला के मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं, जिसमें कंचनजंगा भी शामिल है। यहां का तापमान माइनस में रहता है। गंगटोक तक ट्रेन या फ्लाइट से पहुंचकर युमथांग तक की यात्रा करें। गंगटोक से युमथांग घाटी लगभग 140 किमी दूर है। युमथांग से लगभग 13 किमी का सफर तय करके एक घंटे की ड्राइव में जीरो पाइंट पहुंचा जा सकता है।

हंसना मना है

टीचर- तुम पंछी के बारे में सब जानते हो? टप्पू- हां टीचर, टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा पंछी उड़ नहीं सकता? टप्पू- मरा हुआ पंछी, टप्पू की बात सुनकर टीचर ने उसे भरी क्लास में मुर्गा बना दिया...

80 साल की एक बुजुर्ग महिला ने कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी लगाई। जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा- इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं? महिला- जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं। जज- वो कैसे? महिला- इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं। और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपनी कान की मशीन निकाल लेते हैं...

पति-जज साहब मुझे अपनी बीवी से तलाक चाहिए। जज-पर क्यों? पति-जज साहब, जब से मेरी बीवी आई है। तब से कुछ भी बात नहीं कर रही है। जज-एक बार फिर सोच ले, ऐसी बीवी सिर्फ किस्मत वालों को ही नसीब होती है...

चिंटू- क्या तुम्हें जापानी भाषा पढ़नी आती है? पिंटू- हां एकदम फराटेदार आती है, बस अंग्रेजी में लिखी होनी चाहिए। पिंटू की बात सुनकर चिंटू हैरान रह गया।

कहानी | बाड़े की कील

बहुत समय पहले की बात है, एक गांव में एक लड़का रहता था। वह बहुत ही गुस्सैल था, छोटी-छोटी बात पर अपना आप खो बैठता और लोगों को भला-बुरा कह देता। उसकी इस आदत से परेशान होकर एक दिन उसके पिता ने उसे कीलों से भरा हुआ एक थैला दिया और कहा कि अब जब भी तुम्हे गुस्सा आये तो तुम इस थैले में से एक कील निकालना और बाड़े में ठोक देना। पहले दिन उस लड़के को चालीस बार गुस्सा किया और इतनी ही कीलें बाड़े में ठोंक दी। पर धीरे-धीरे कीलों की संख्या घटने लगी,उसे लगने लगा की कीलें ठोंकने में इतनी मेहनत करने से अच्छा है कि अपने क्रोध पर काबू किया जाए और अगले कुछ हफ्तों में उसने अपने गुस्से पर बहुत हद तक काबू करना सीख लिया और फिर एक दिन ऐसा आया कि उस लड़के ने पूरे दिन में एक बार भी अपना आपा नहीं खोया। जब उसने अपने पिता को ये बात बताई तो उन्होंने फिर उसे एक काम दे दिया, उन्होंने कहा कि अब हर उस दिन जिस दिन तुम एक बार भी गुस्सा ना करो इस बाड़े से एक कील निकाल देना। लड़के ने ऐसा ही किया, और बहुत समय बाद वो दिन भी आ गया जब लड़के ने बाड़े में लगी आखिरी कील भी निकाल दी, और अपने पिता को खुशी से ये बात बतायी। तब पिताजी उसका हाथ पकड़कर उस बाड़े के पास ले गए, और बोले, बेटे तुमने बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन क्या तुम बाड़े में हुए छेदों को देख पा रहे हो। अब वो बाड़ा कभी भी वैसा नहीं बन सकता जैसा वो पहले था। जब तुम क्रोध में कुछ कहते हो तो वो शब्द भी इसी तरह सामने वाले व्यक्ति पर गहरे घाव छोड़ जाते हैं। इसलिए अगली बार अपना आपा खोने से पहले सोचिये कि क्या आप भी उस बाड़े में और कीलें ठोकना चाहते हैं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा।

तुला व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। समस्या दूर होगी।

बॉलीवुड | अॅपकमिंग

विपिन ने मुझे बदनाम करने की धमकी दी: उन्नी

मलयालम अभिनेता उन्नी मुकुंदन इन दिनों विवादों में बने हुए हैं। उन्नी मुकुंदन पर खुद को उनका पूर्व मैनेजर बताने वाले विपिन कुमार ने हमले के आरोप लगाए थे। इसके बाद उन्नी मुकुंदन चर्चाओं में बने हुए हैं। उन्नी मुकुंदन की ओर से जारी किए गए आधिकारिक बयान में अभिनेता ने सभी आरोपों से इनकार किया और स्पष्ट किया कि विपिन को कभी भी उनका निजी मैनेजर नियुक्त नहीं किया गया था। अभिनेता ने कहा कि मेरा प्रोफेशनल एसोसिएशन 2018 में शुरू हुआ जब विपिन ने खुद को पीआरओ के रूप में पेश किया। उन्नी ने मार्को की शूटिंग के दौरान एक बड़ी अनबन का जिक्र किया, जहां विपिन का एक क्रू मेंबर के साथ सार्वजनिक रूप से विवाद हुआ था, जिससे फिल्म के लिए परेशानी खड़ी हो गई थी। अपने बयान में आगे उन्नी ने आरोप लगाया कि उन्हें विपिन के गैर-पेशेवर व्यवहार के बारे में कई शिकायतें मिली थीं। जिसमें गपशप और उनके काम में हस्तक्षेप करना शामिल था। हालांकि, बाद में विपिन ने एक कॉमन फ्रेंड के सामने माफी मांगी, लेकिन उन्नी ने कहा कि उन्हें अभी भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विपिन ने उनके डिजिटल डेटा तक पहुंच बनाई और उन्हें बदनाम करने के लिए मौखिक धमकियां दीं। हमले के दावों को पूरी तरह से झूठा बताते हुए अभिनेता ने सीसीटीवी फुटेज की ओर इशारा किया जो उनकी बेगुनाही साबित कर सकता है। उन्होंने आगे विपिन पर हानिकारक अफवाहें फैलाने और व्यक्तिगत सीमाओं को पार करने का आरोप लगाया। उन्नी ने कहा कि उनकी सफलता से नाखुश कुछ लोग इन बेबुनियादी आरोपों और उन्हें बदनाम करने वाले इन आरोपों का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन वह सच्चाई और प्रोफेशनलिज्म के साथ खड़े हैं। उन्नी मुकुंदन का मैनेजर बताने वाले विपिन कुमार ने अभिनेता आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया पर टोविनो थॉमस की फिल्म नारिवेट्टा की सकारात्मक समीक्षा साझा करने के बाद उन्नी ने उन पर हमला किया।

काजोल ने निभाए कई महिला प्रधान रोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मां को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में काजोल का दमदार किरदार बताया जा रहा है। फिल्म मां से पहले भी काजोल कई महिला प्रधान फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इस लिस्ट में दो पत्ती और दुश्मन जैसी कई फिल्में शामिल हैं। काजोल की नई फिल्म मां 27 जून 2025 को रिलीज होगी। यह एक पौराणिक हॉरर फिल्म है, जिसमें काजोल की अब तक की सबसे दमदार भूमिका मानी जा रही है। फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में आएगी। काजोल ने फिल्म की सफलता के लिए दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा की। फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज हो चुका है, जिसमें काजोल एक लड़की को पकड़े हुए हैं, और पोस्टर में मां काली और डेविल दोनों के रूप दिखाए गए हैं। कैप्शन है :नर्क भी यहीं है और देवी भी। दो पत्ती 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म है। इसमें काजोल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, और कृति सेनन ने दो जुड़वां बहनों, सौम्या और शैली, का किरदार निभाया है। सौम्या शांत और संवेदनशील है, जबकि शैली चालाक और तेज-तर्रार है। शहीर शेख भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन शशांक चतुर्वेदी ने किया। काजोल की एक्टिंग को बहुत पसंद किया गया। 1998 में रिलीज हुई दुश्मन एक रिवेंज ड्रामा और सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म है। काजोल ने इसमें दो जुड़वां बहनों, सोनिया और नैना, की दोहरी भूमिका निभाई। सोनिया की हत्या एक क्रूर अपराधी, गोकुल पंडित (आशुतोष राणा), करता है। नैना अपनी बहन का बदला लेने के लिए सैनिक सुरजीत सिंह (संजय दत्त) की मदद लेती है। यह काजोल की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। देवी एक शॉर्ट फिल्म है, जिसमें काजोल सहित कई अभिनेत्रियां हैं। यह सामाजिक मुद्दों पर आधारित कहानी है। इसमें अलग-अलग पृष्ठभूमि की महिलाएं हैं, जो सामाजिक अन्याय की शिकार हैं। काजोल ज्योति नाम की एक ऐसी महिला बनी हैं, जो अपने पति की हिंसा से बचकर आई है। एक रहस्यमयी किरदार, देवी (श्रुति हासन), सभी को एकजुट करती है। यह फिल्म बलात्कार, घरेलू हिंसा और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को उठाती है।

एक्ट्रेस इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मां को लेकर सुर्खियों में हैं

नुसरत को पसंद नहीं आया प्यार का पंचनामा में अपना किरदार

फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी (2018) ने नुसरत भरूचा को दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई। इस फिल्म का निर्देशन लव रंजन ने किया। इससे पहले नुसरत ने लव के ही निर्देशन में बनी प्यार का पंचनामा (2011) में भी काम किया। हाल ही में नुसरत ने खुलासा किया कि प्यार का पंचनामा में उन्हें अपना रोल पसंद नहीं आया था। नुसरत भरूचा ने हाल ही में एक खुलासा किया कि फिल्म प्यार का पंचनामा में उन्हें अपना रोल पसंद नहीं आया, लेकिन इसके बावजूद वे उस तरह के रोल फिर करेंगी। नुसरत से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी में उनके किरदारों को ठीक से पेश किया गया है? इस पर नुसरत ने कहा, तब भी मैं खुश नहीं थी। मैंने फिल्मों के लिए मना कर दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लड़की को जिस तरह से पेश किया गया, उससे कोई दिक्कत नहीं है? इस सवाल के जवाब में वे बोलीं, मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है, बिल्कुल नहीं। मैं इसे फिर से करना चाहूंगी और जो मैं कर रही हूं, उससे प्यार करती हूं। नुसरत भरूचा ने आगे कहा कि किरदारों के मोटिवेशन को लेकर फिल्म निर्माताओं के साथ उनकी शुरुआती झिझक और अब तक जारी बहस के बावजूद, उन्हें नेहा, चीकू और स्वीटी का किरदार निभाने में मजा आया। नुसरत के मुताबिक, भले ही ये तीनों मेरे व्यक्तित्व से बहुत दूर थे, मेरे से जुड़े नहीं थे। लेखकों और निर्देशक के साथ मेरी अपनी लड़ाई थी कि मैं यह कैसे करूं? मुझे यकीन नहीं है कि वह ऐसा क्यों कर रही है या इस तरह क्यों है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह मेरी लड़ाई थी। लेकिन, अगर पूछा जाए कि क्या मुझे इन किरदारों को करने में मजा आया? तो मुझे यह बहुत अच्छा लगा।

बोलीं- फिर भी दोबारा निभाऊंगी

36 मीटर जमीन की कीमत 2232 करोड़! यहां लगी दुनिया की सबसे महंगी बोली

भारत में पिछले कुछ समय से जमीन के रेट्स आसमान छूने लगे हैं। आज जमीन में पैसे लगाना सबसे अच्छा इन्वेस्टमेंट माना जाने लगा है। देखते ही देखते जमीनों के भाव इतने ज्यादा बढ़ गए हैं कि कुछ ही सालों में इसमें इन्वेस्ट किये गए पैसों से दोगुना आप वसूल सकते हैं। इस बीच अलवर में आवासन मंडल की अरावली विहार योजना के तहत व्यावसायिक भूखंडों की नीलामी की गई। नीलामी में जो बोली लगाई गई, उसने सभी को हैरान कर दिया। बोली में 120 मीटर जमीन के लिए एक आवेदक ने 82 लाख रुपए मीटर की बोली लगाई. इस हिसाब से जमीन की कीमत 98.40 करोड़ पहुंच गई। जबकि इसी के तहत 36 मीटर की जमीन की बोली 62 करोड़ प्रति वर्ग मीटर लगा कर इसकी कीमत 2232 करोड़ पहुंचा दी गई। कुछ दिनों पहले भी जमीनों की नीलामी में कुछ ऐसी ही बोली लगाई गई थी। तब 36 मीटर के भूखंड संख्या सीआई 25 के लिए 62 करोड़ प्रति वर्गमीटर की बोली लगी थी। आवासन मंडल की तरफ से तीन से पांच अक्टूबर तक 16 भूखंड नीलाम किये गए। इसके लिए निवेशकों में होड़ देखने को मिली. चूंकि जमीन ऐसी जगह पर है, जहां आने वाले समय में मार्केट तेजी से बढ़ेगा, ऐसे में सभी इन जमीनों को खरीदने में दिलचस्पी दिखाने लगे। भूखंड के लिए 216 आवेदकों ने सिक्युरिटी अमाउंट जमा किया था। पहले दिन लगाई गई बोली ने सभी को अचंभित कर दिया। जमीन के भाव आसमान छूने लगे। नीलामी में 120 मीटर के सात भूखंडों की आरक्षित दर 55 हजार, 36 मीटर के छह भूखंड की आरक्षित दर 55 हजार और 798 मीटर के एक भूखंड की कीमत 50 हजार रखी गई थी। लेकिन जब बोली गई तो करोड़ों में भाव चले गए। हालांकि, बाद में अधिकारियों ने इसे मानवीय भूल का परिणाम बताया। उन्होंने बताया कि गलती से दो शून्य ज्यादा लग गए थे।

अजब-गजब | शिकार करने के लिए फूल जैसा बन जाता है ये कीड़ा

रंग बदलने में भी है माहिर ऑर्किड मेंटिस

दुनिया में कई कीड़े शिकारियों से बचने से लिए अलग ही तरह का आकार या हुलिया लिए होते हैं। ऑर्किड मेंटिस ऐसे ही सबसे आकर्षक कीटों में से एक हैं। ऑर्किड फूलों से अपनी अद्भुत समानता के लिए जाने जाने वाले ये मेंटिस अपने अनोखे रूप का इस्तेमाल अपने आस-पास के वातावरण में सहजता से घुलने-मिलने के लिए करते हैं। ऑर्किड मेंटिस सिर्फ़ सुंदर चेहरे नहीं होते, वे कुशल शिकारी होते हैं, जो अपने फूल जैसे भेष का उपयोग अनजान शिकार पर घात लगाने के लिए करते हैं। वे दक्षिण-पूर्व एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं, जहां उनके चमकीले रंग और पंखुड़ी जैसे अंगेम की वजह से उनका वनस्पतियों के बीच दिखना करीब करीब असंभव हो जाता है। ऑर्किड मेंटिस एक आकर्षक कीट है जो अपनी भेस बदलने बेमिसाल काबिलियत यानी छलावरण के लिए जाना जाता है। यह मेंटिस प्रजाति ऑर्किड फूलों की तरह दिखने की नकल करने के लिए विकसित हुई है, जिससे यह भेस बनाने में माहिर हो गई है। यह कई अन्य मेंटिस प्रजातियों से उलट, ऑर्किड मेंटिस हरे या भूरे रंग के छलावरण पर निर्भर नहीं करता है। इसके बजाय, यह ऑर्किड फूलों के जीवंत रंगों और आकृतियों की नकल करता है। यह मेंटिस अपने शिकार पर घात लगाने के लिए फूल जैसी दिखने वाले आकार में खुद को ढाल लेते है। फूलों की ओर आकर्षित होने वाले कीट अक्सर इसके शिकार बन जाते हैं। ये अपने आस-पास के वातावरण से मेल

खाने के लिए अपना रंग बदल सकता है, जो सफेद से लेकर गुलाबी या बैंगनी तक हो सकता है, जिससे इसकी धोखा देने का हुनर और भी बढ़ जाता है। अगर आपको लगता है कि केवल आकार और रंग ही ऑर्किड मेंटिस के धोखे के लिए काफी है तो ऐसा नहीं है। इनके चलने का एक अनूठा तरीका है जो हवा में फूलों के हिलने की नकल करता है, जिससे शिकारियों के लिए इसे पहचानना और भी मुश्किल हो जाता है। इन मेंटिस की नजर बहुत अच्छी होती है, जिससे वे बिजली की गति से शिकार का पता लगा सकते हैं और उस पर हमला कर सकते हैं। ऑर्किड मेंटिस के विशेष पैर होते हैं जो फूलों की पंखुड़ियों से मिलते जुलते हैं। वे लंबे समय तक बिना हिले-डुले रह सकते हैं, शिकार के हमले की दूरी के भीतर आने का धैर्यपूर्वक इंतज़ार करते हैं। वे अपने आगे के पैरों और पंखों को फैलाकर शिकारियों के लिए बड़े और अधिक भयभीत करने वाले दिखते हैं। वे अपने शक्तिशाली अगले पैरों का इस्तेमाल शिकार को पकड़ने और पकड़ने के लिए करते हैं, अक्सर इसे सिर से पहले खाते हैं। इस प्रजाति में स्पर्श की अत्यधिक विकसित भावना होती है, जो उन्हें संभावित शिकार के कंपन और हरकतों का पता लगाने में मदद करती है। इसके अलावा ये मेंटिस नरभक्षी माने जाते हैं, यानी ये अपनी ही प्रजाति के जीव खा जाते हैं। मादाएं कभी-कभी संभोग के बाद नर को खा जाती हैं। ऑर्किड मेंटिस पेट बिजनेस में लोकप्रिय हैं, लोग इन्हें अपने बगीचे में पालतू बना कर रखते हैं जिससे वे कीट पतंगों की आबादी को काबू में रखने में मदद करते हैं।

हवा हवाई न हो जाए जाति जनगणना का हाल : बघेल

» बोले- राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना पर बनाया देश में माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जातिगत जनगणना पर जमकर सियासत हो रही है। बीजेपी और कांग्रेस मामले में एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर गर्म है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जातिगत जनगणना पर कहा कि सबसे पहले राहुल गांधी ने जाति जनगणना पर आवाज बुलंद की थी। अब जब प्रदेश में माहौल बना तो सरकार ने इसकी घोषणा कर दी लेकिन ना इसके लिए कोई बजट दिया गया है और ना ही सरकार इस ओर कदम बढ़ा रही है। यह उसी प्रकार से है जैसे लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित कर दिया गया है, लेकिन लागू नहीं किया गया है। इसलिए लगातार इसे लेकर दबाव तो बनाना ही पड़ेगा।

रायपुर एयरपोर्ट पर चर्चा में राष्ट्रीय महासचिव बघेल ने कहा कि जब से राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की बात की है, तब से देशभर में इसे लेकर माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा बदलाव संभव है। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला किया, यह कैबिनेट का निर्णय है। हालांकि यह प्रक्रिया समय और संसाधन मांगती है और फिलहाल भारत सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने मंत्रिमंडल विस्तार में देरी और सीमित मंत्रियों की संख्या को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा कि जितने कम मंत्री होंगे, उनके सारे विभाग मुख्यमंत्री के पास चले जाएंगे। अब यह जानने की जरूरत है कि मुख्यमंत्री के पास जो विभाग हैं, उन्हें आखिर चला कौन रहा है? उन्होंने कहा कि चाहे वह माइनिंग हो या शिक्षा, सभी विभाग मुख्यमंत्री के पास हैं, तो फिर उनका संचालन कौन कर रहा है?

जनगणना पर देश में मचा सियासी बवाल

कांग्रेस के पास अब बोलने का कोई अधिकार नहीं : अरुण साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि जिस पार्टी ने सत्ता में रहते इस जनगणना का लगातार विरोध किया, वह अब श्रेय लेने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस को अब इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। साव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक शासन किया, लेकिन पिछड़े वर्गों, दलितों और वंचितों की उपेक्षा की। वो केवल वोट बैंक के तौर पर इन वर्गों को देखते रहे। जब जनगणना का सही समय था, तब उन्होंने इसे नजरअंदाज किया और आज जब मोदी सरकार ने यह क्रांतिकारी निर्णय लिया है, तो कांग्रेस इसे राजनीतिक रूप देने में लगी है। वहीं पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि 1941 में आज़ादी से पहले आखिरी बार जातिगत जनगणना हुई थी। आज भारत में पहली बार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इतने वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अब जब केंद्र सरकार ने साहसिक फैसला लिया है, तो कांग्रेस इसमें भी श्रेय लेने की होड़ में है।

उमर ने साइकिल तो फारुक ने गोल्फ स्टिक चलाकर दिया पर्यटकों को न्योता

» कहा- पहलगाम सबसे खूबसूरत जगह है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पहलगाम। जम्मू-कश्मीर में पर्यटन पूरी तरह सुरक्षित है, यह संदेश देने के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके पिता फारुक एकदम बदले अंदाज में नजर आए। उमर अब्दुल्ला पहलगाम में कैबिनेट मीटिंग करने के बाद वहां की सड़कें साइकिल से नापते नजर आए तो उनके पिता फारुक अब्दुल्ला ने सुबह-सुबह पहलगाम गोल्फ कार्ट से गोल्फ कोर्स पहुंचकर गोल्फ खेला। सेहत ठीक न होने के बावजूद गोल्फ के शौकीन फारुक अब्दुल्ला ने पूरे जी-जान से गोल्फ स्टिक से निशाने लगाए। पहलगाम अटैक के बाद भारत-पाक तनाव की वजह से बिगड़े हालात का दंश सबसे ज्यादा प्रदेश का पर्यटन झेल रहा है।

पिछले साल तक पर्यटन की जीडीपी 7 से बढ़ाकर 15 पहुंचा देने का ख्वाब देख रहे मुख्यमंत्री के लिए भी यह एक सेट बैक जैसा है। पर्यटन को उबारने की कोशिशों के तहत ही वे मंगलवार को उन्होंने पहलगाम में साइकिल से सड़क पर उतरने का मन बनाया था। उन्हें अपने बीच पाकर देख कुछ उत्साही युवा भी साइकिल के साथ-साथ सेल्फी लेने के लिए दौड़ने लगे। सीएम ने इस दौरान लोगों से उनकी दिक्कतें भी पूछीं। इससे पहले गोल्फ खेलने के बाद पहलगाम को पर्यटकों के लिए सुरक्षित बताते हुए डॉ. फारुक अब्दुल्ला ने सैलानियों से बगैर हिचक खूबसूरत पहलगाम का रुख करने की अपील की। मीडिया से बातचीत में अमरनाथ यात्रा का हवाला देते हुए लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में भोलेनाथ की धरती पर आने का आह्वान किया।

पांच गुटों में बंटी भाजपा : सुक्खू

» हिमाचल के लोगों को गुमराह कर रहे भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंजार (कुल्लू)। प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बंजार में भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा पांच गुटों में बंटी है। जिन पर पहले ही भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, वह प्रदेश की जनता को गुमराह करने के लिए वर्तमान राज्य सरकार पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। आज वह भाजपा के नीति निर्धारक बने हैं लेकिन पहले उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। वर्ष 2023 में आई आपदा के दौरान भाजपा नेता एक बार भी प्रभावित परिवारों का हक मांगने के लिए केंद्र सरकार से कोई भी पैरवी करने नहीं गए जबकि कांग्रेस सरकार लोगों के साथ खड़ी रही।

बंजार विधायक सुरेंद्र शौरी ने मुख्यमंत्री के दौरे से दूरी बनाई। इस पर

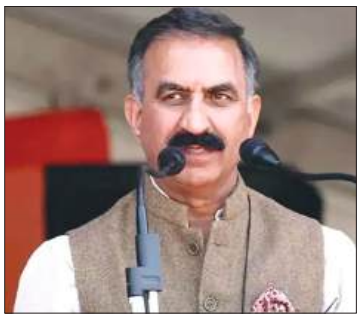

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका दायित्व बनता है कि वह आएं और अपनी कुर्सी पर बैठें। उनके लिए कुर्सी रखी हुई थी। अगर को वह आते तो उनका नाम भी पट्टिका पर लगाते। वह हमारे छोटे भाई हैं। बंजार में जो आज करोड़ों की सौगात दी गई है वह बंजार के लिए ही तो है। वहीं मुख्यमंत्री के बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का माहौल है।

» तमिल से भाषा के जन्म वाली टिप्पणी पर कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कमल हासन पर उनके कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है। वाले बयान को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि अभिनेता को भाषा के लंबे इतिहास की जानकारी नहीं है। एएनआई के अनुसार कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कन्नड़ का इतिहास बहुत पुराना है। बेचारे कमल हासन को इसकी जानकारी ही नहीं है। चेन्नई में अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च के अवसर पर कमल हासन द्वारा यह दावा किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया कि 'तमिल से कन्नड़ भाषा का जन्म हुआ।'

इस टिप्पणी से कन्नड़ समर्थक कई संगठनों में आक्रोश फैल गया है। इन

समूहों ने राज्य के विभिन्न हिस्सों जैसे बेलगावी, मैसूर, हुबली, बेंगलुरु आदि में हासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कर्नाटक के सबसे मुखर कन्नड़ संगठनों में से एक कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) ने अब हासन की फिल्मों का पूरे कर्नाटक में बहिष्कार करने की धमकी दी है, जब तक कि वह बिना शर्त माफी नहीं मांगते। वहीं कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में अब्दुल रहीम उर्फ इम्तियाज की हत्या के बाद तनाव बढ़ने के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने पुलिस को मामले की गहन जांच करने और दोषियों को पकड़ने का निर्देश दिया है।

एमएनएम कमल हासन को रास भेजेगा

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक की सहयोगी मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) ने बुधवार को घोषणा की कि उसके अध्यक्ष कमल हासन 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए उसके उम्मीदवार होंगे। एमएनएम की प्रशासनिक समिति ने यहां एक बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर पार्टी प्रमुख हासन को उच्च सदन के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया और औपचारिक रूप से सहयोगी दलों से समर्थन का अनुरोध किया। द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा एमएनएम को राज्यसभा की एक सीट आवंटित करने की घोषणा किए जाने के तुरंत बाद पार्टी ने हासन को अपने उम्मीदवार के रूप में नामित किया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले द्रमुक और हासन की पार्टी एमएनएम ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

फाइनल से एक कदम दूर पंजाब-आरसीबी

» 11 साल बाद प्लेऑफ में पहुंची पंजाब, क्वालिफायर-1 का मुकाबला आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें ग्रूप चरण में शानदार प्रदर्शन की लय को क्वालिफायर-1 में भी बरकरार रखना चाहेंगी। वैसे तो अंक तालिका में शीर्ष दो में रहने वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलते हैं, लेकिन पंजाब और आरसीबी दोनों की ही नजरें सीधे खिताबी मुकाबले में जगह बनाने पर होंगी।

पंजाब ग्रूप चरण में पहले और आरसीबी दूसरे स्थान पर रही थी। पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। इसका श्रेय अय्यर और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की जोड़ी को जाता है जिन्होंने टीम की संस्कृति को बदलकर उसे नया स्वरूप प्रदान किया। दूसरी ओर, आरसीबी को नॉकआउट चरण में कई बार हार का सामना करना पड़ा तथा इस बार वह खिताब के सूखे को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। उनके अपने शब्दों में खिताब के दोनों दावेदारों के लिए काम अभी आधा ही हुआ है। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए मंच तैयार किया है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाएगा बीसीसीआई

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने का फैसला किया है और इसके तहत बोर्ड ने समापन समारोह के लिए सीडीएस, थल सेना अध्यक्ष के साथ ही वायुसेना और नौसेना प्रमुख को भी न्योता दिया था। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, बोर्ड हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है, जिनके ऑपरेशन सिंदूर ने वीरतापूर्ण प्रयास से राष्ट्र की रक्षा की और हमें प्रेरित किया। बीसीसीआई के इस कदम पर गंभीर ने कहा, यह अविश्वसनीय कदम है। बीसीसीआई ने एक अच्छी पहल की है। यह दर्शाता है कि पूरा देश एक है और हमारे सशस्त्र बलों को सलाम कर रहा है। बिना किसी स्वार्थ के हमारी रक्षा करने के लिए मैं श्रेय सशस्त्र बलों को देता हूं।

कर्नाटक में गिग वर्कर पर खत्म होगा अन्याय : राहुल

बोले- सरकार का अध्यादेश एक ऐतिहासिक कदम

» नेता प्रतिपक्ष बोले- प्रौद्योगिकी से तरक्की भी होनी चाहिए और इंसाफ भी मिलना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी के शासन वाले कर्नाटक में गिग वर्कर के लिए जारी किया गया अध्यादेश एक ऐतिहासिक कदम है और इससे अन्याय का अंत होगा तथा सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एक अध्यादेश जारी किया। अध्यादेश में एक कल्याण बोर्ड की स्थापना और गिग वर्कर के लिए एक समर्पित कल्याण कोष बनाने का प्रस्ताव है।'गिग वर्कर्स' उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, रेटिंग नहीं, हक़ चाहिए, इंसान हैं हम, गुलाम नहीं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब मैं गिग वर्कर्स से मिला, तो ये शब्द मेरे दिल में उतर गए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और एक ऐसा अध्यादेश लाई है जो गिग वर्कर्स को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान देता है। कांग्रेस नेता ने कहा, ये कामगार दिन-रात हमारे लिए खाना, ज़रूरी सामान और सेवाएं पहुंचाते हैं, गर्मी, सर्दी और बारिश तक की परवाह नहीं करते। लेकिन अक्सर उन्हें बिना किसी वजह से नौकरी से हटा दिया जाता है, बीमार होने पर उन्हें छुट्टी नहीं मिलती, और उनकी मेहनत की कमाई एक गुप्त एल्गोरिदम से तय होती है। राहुल गांधी के मुताबिक, अब अन्याय खत्म होगा और इस नए कानून से सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, न्यायसंगत अनुबंध होगा, वेतन निर्धारण में पारदर्शिता आएगी और मनमानी ऐप ब्लॉकिंग का अंत होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी से तरक्की भी होनी चाहिए और इंसाफ़ भी मिलना चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, राजस्थान ने शुरुआत की। कर्नाटक ने रास्ता दिखाया। अब तेलंगाना की बारी है। गिग और प्लेटफ़ॉर्म आधारित काम से नए अवसर बन रहे हैं और बड़ा बदलाव आ रहा है। इस बदलाव के केंद्र में मज़दूरों के अधिकार होने चाहिए। उन्होंने कहा, यही हमारा नजरिया है और हम इसे हर राज्य और पूरे देश में लेकर जाएंगे।

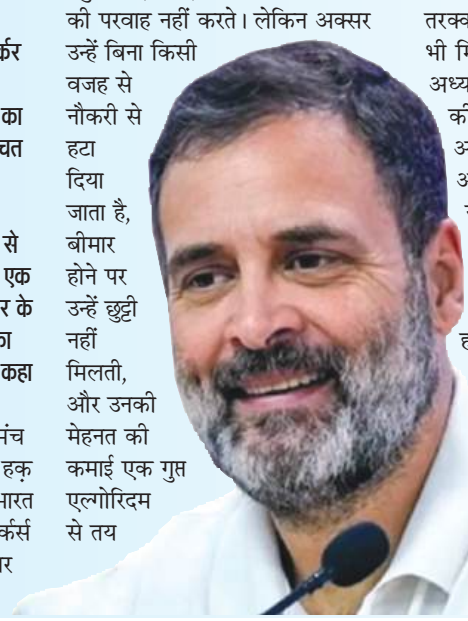

प्रधानमंत्री सिर्फ तारीफ चाहते हैं, टैरिफ पर बातचीत नहीं करते: जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिकी अदालत में टैरिफ का बचाव करने के मामले में चुप रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर इस मामले की अनदेखी करने का आरोप लगाया क्योंकि वे आर्थिक नीतियों के बारे में आलोचनात्मक चर्चाओं की बजाय प्रशंसा को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री टैरिफ के बारे में सुनना नहीं चाहते, हमारे प्रधानमंत्री केवल तारीफ (प्रशंसा) सुनना चाहते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री इस पर चुप हैं। प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा है। रमेश ने कहा कि ट्रंप ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संघर्ष विराम का श्रेय लिया, लेकिन भारतीय नेतृत्व ने चुप रहना ही बेहतर समझा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 11 दिनों में 8 बार तीन देशों अमेरिका, सऊदी अरब और कतर में कहा है कि यह युद्ध विराम मेरी वजह से हुआ है और मैंने टैरिफ का इस्तेमाल किया है और दोनों देशों से कहा है कि अगर आप युद्ध विराम करवाते हैं तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार बढ़ेगा। रमेश ने विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत भारत के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

नोटबंदी की फिर से जरूरत : चंद्रबाबू

» बोले- मैंने ही पहली बार मोदी सरकार से की थी सिफारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

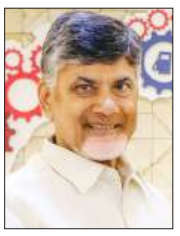

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 500 रुपये और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ेगी। वाईएसआर कडप्पा जिले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के वार्षिक महानाडु सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने 500 रुपये, 1,000 रुपये और 2,000 रुपये जैसे बड़े नोटों को बंद करने की वकालत की और डिजिटल भुगतान को और अधिक बढ़ावा देने का आह्वान किया। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल करेंसी की रिपोर्ट दी थी, तो मैंने उनसे एक ही बात कही थी कि जरूरत है 500, 1000 और 2000 के नोट छापना बंद कर दीजिए।

डिजिटल करेंसी को सक्षम बनाइए और बढ़ावा दीजिए। मेरा उनसे यही सुझाव है कि फिर अगर कोई भ्रष्टाचार होगा तो हम आसानी से उसका पता लगा लेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक बार फिर केंद्र सरकार से इस सिफारिश पर कार्रवाई करने का आग्रह किया और कहा कि दुनिया अब तेजी से डिजिटल मुद्रा की ओर बढ़ रही है। आज इस सभा से मैं एक बार फिर अनुरोध करना चाहता हूं, आज डिजिटल करेंसी का ज़माना है। नायडू ने कहा कि अगर किसी को पार्टी के कामों के लिए चंदा देना होता था तो हमें लिस्ट देखनी पड़ती थी, लेकिन अब सिर्फ एक क्यूआर कोड से कार्यकर्ता और आम जनता चंदा दे सकती है। 500, 1000 और 2000 के नोट बांटने की जरूरत नहीं है। प्रस्ताव पर जनता से समर्थन का आह्वान करते हुए नायडू ने उपस्थित समर्थकों से उच्च मूल्य वाले नोटों को रद्द करने के पक्ष में हाथ उठाकर तालियां बजाने का आग्रह किया।

चंद्रबाबू नायडू के हाथों में आयी फिर टीडीपी की कमान

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को सर्वसम्मति से अगले दो वर्षों के लिए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) का राष्ट्रीय अध्यक्ष फिर से चुन लिया गया है। शपथ ग्रहण समारोह वाईएसआर कडप्पा जिले में पार्टी के वार्षिक तीन दिवसीय मेगा सम्मेलन महानाडु सभा के दूसरे दिन हुआ। टीडीपी के वरिष्ठ नेता और चुनाव समिति के अध्यक्ष वरला रामैया ने भारी भीड़ के सामने चुनाव परिणाम की घोषणा की और बाद में पार्टी समर्थकों की जोरदार जयकारों के बीच मुख्यमंत्री नायडू को पद की शपथ दिलाई। रामैया ने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, नारा चंद्रबाबू नायडू को अगले दो वर्षों के लिए टीडीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के लिए एक समर्पित चुनाव कार्यालय स्थापित किया गया था और नायडू के नामांकन का समर्थन करने के लिए लगभग 600 पार्टी नेता आगे आए। नायडू, जो 1995 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं, लगभग तीन दशकों के नेतृत्व को चिह्नित करते हुए एक नए कार्यकाल के लिए शीर्ष पर बने हुए हैं।

नए वैरिएंट पर वैक्सीन का असर नहीं, सतर्क रहें

» देश में अब तक 1326 एक्टिव केस, 14 मौतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज एक्टिव केसों की संख्या 1326 पहुंच गई। वहीं, मौतों की संख्या 14 हो गई है, इनमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं। उधर, एक्सपर्ट ने बताया कि 2022 के बाद नए वैरिएंट की वजह से कोविड पेशेंट कई बार बढ़े हैं, लेकिन कोई गंभीर स्थिति नहीं देखी गई। मेरा अंदाजा है कि इस बार भी बहुत परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। वहीं कुछ के मुताबिक कोविड की चौथी लहर आती है तो उसका असर 21 से 28 दिन तक रहेगा। यह दूसरी लहर की तरह जानलेवा नहीं होगी।

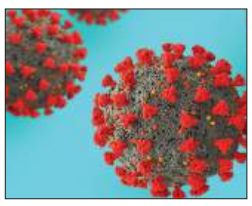

इन एक्सपर्ट्स का कहना है कि जिन लोगों ने वैक्सीनेशन करवाया था, उन्हें भी सावधानी बरतने की जरूर है। इसकी वजह यह है कि वैक्सीनेशन नए वैरिएंट का असर होने से नहीं रोक सकता। हालांकि, वैक्सीनेशन की इम्यूनिटी अभी भी पूरी तरह से कमजोर नहीं हुई है। यह आपके शरीर को नए वैरिएंट से लड़ने में मदद जरूर कर सकती है। जम्मू-कश्मीर में कोविड-19 के दो मामले सामने आए हैं। दोनों केरल के रहने वाले हैं और श्रीनगर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

तेजस्वी से पारिवारिक संबंध, पर विचारधारा अलग : चिराग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के संबंध में कहा कि हमारे पारिवारिक रिश्ते हमारे और उनके पिता से शुरू हुए थे। इसलिए, मेरे और उनके बीच पारिवारिक संबंध हैं। हम सामाजिक रूप से बातचीत कर सकते हैं लेकिन हमारे बीच बहुत ज़्यादा वैचारिक मतभेद हैं, और यही चीज राजनीतिक गठबंधन को असंभव बनाते हैं।

चिराग पासवान ने कहा कि अगर यह संभव होता, तो हम 2020 के विधानसभा चुनाव में हाथ मिला लेते,

लेकिन मैंने उस वक्त हर एक गठबंधन से लग रहकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। यह बातें चिराग पासवान ने नवादा में हुए तेजस्वी यादव के साथ हुए मुलाकात के बाद कही है। दरअसल नवादा के रहने वाले सेना के जवान मनीष कुमार की हाल ही में जम्मू-कश्मीर में एक सैन्य अभियान के दौरान शहीद हो गये थे।

तेजस्वी यादव के बेटे का नाम इराज लालू यादव

लालू परिवार ने नए मेहमान का नामकरण हो गया है। मंगलवार को जब से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई तब से लोग उसके नाम जानने को लेकर उत्सुक थे। अब राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद ने इसका खुलासा कर दिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर बताया कि हमलोगों ने अपने पोते का नाम इराज रखा है। मंगलवार को ही नामकरण कर दिया गया था।

महाराष्ट्र में सियासी भूचाल, महायुति में मचा बवाल

» अजित पवार के रवैये से भाजपा नाराज

» डिप्टी सीएम की शिकायत लेकर अमित शाह के पास पहुंचे मंत्री और विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर सियासी बवाल मच गया है। इस बार वजह उप मुख्यमंत्री अजित पवार बने हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार के खिलाफ शिकायत लेकर बीजेपी के विधायक और मंत्री केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पास पहुंचे हैं। आरोप लगाया गया है कि अजित पवार बीजेपी नेताओं और अधिकारियों के विरोधियों का समर्थन कर रहे हैं। वहीं यूबीटी शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ भी शिंदे गुट ने मोर्चा खोल दिया है।

दरअसल, अमित शाह 25 से 27 मई तक महाराष्ट्र के दौरे पर थे। अब बीजेपी के मंत्रियों और विधायकों का दावा है कि अजित पवार उन उम्मीदवारों को मजबूत कर रहे हैं जिन्होंने 2024 के चुनाव में बीजेपी को हराया था। इससे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की स्थिति कमजोर हो सकती है। इससे एक बार फिर यही संकेत मिलते हैं कि महायुति के अंदर तनाव बढ़ता जा रहा है। पश्चिम महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बीजेपी और अजित पवार की एनसीपी के बीच तनाव विशेष रूप से स्पष्ट है, जहां दोनों दलों की मजबूत उपस्थिति है। साल 2024 के विस चुनाव में, बीजेपी ने पश्चिम महाराष्ट्र में 70 में से 28 सीटें जीतीं, जबकि एनसीपी ने 15 सीटें जीती थीं। मराठवाड़ा में बीजेपी ने 46 में से 19 सीटें हासिल कीं और एनसीपी ने 8 सीटें जीतीं। बीजेपी नेताओं को चिंता है कि अजित की एनसीपी पश्चिम महाराष्ट्र में पुणे, सांगली और पिंपरी-चिंचवड जैसे जिलों में और मराठवाड़ा में परभणी, जालना और बीड में भाजपा के कब्जे वाले स्थानीय स्वशासन निकायों को निशाने पर ले रही है।

पूरा मंत्रिमंडल अजित पवार से नाखुश है : अहिर

शिवसेना (उद्धव ठाकरे समूह) के विधायक सचिन अहिर ने कहा है कि केवल बीजेपी विधायक ही नहीं, बल्कि पूरा मंत्रिमंडल अजित पवार से नाखुश है। उन्हें निधि नहीं मिल रही है, और उनके काम नहीं हो रहे हैं। हमने जीवन भर उनके खिलाफ लड़ाई लड़ी है, और अब हमें उनके साथ बैठना पड़ रहा है।

बीजेपी अपनी असंतुष्टता को चर्चा में लाना चाहती है : रोहित

एनसीपी (शरद पवार समूह) के विधायक रोहित पवार ने कहा कि शायद बीजेपी नेता अपनी असंतुष्टता को अजित पवार के साथ चर्चा में लाना चाहते हैं ताकि वे इस विवाद को बढ़ा सकें और आगामी स्थानीय निकाय चुनाव अपनी ताकत पर लड़ सकें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।